ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 9 July 2020

''जनसांख्यिकीय चरों के संबंध में गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन''

डॉ. ऋतु बाला (प्रोफेसर) शोध निर्देशिका **(Dr. Ritu Bala)** शिक्षा संकाय, टांटिया विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर (राज.)	**पूनम बिश्नोई (शोधार्थी)** शिक्षा संकाय, टांटिया विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर (राज.)

गतिविधि आधारित अधिगम (ABL) कार्यक्रम का परिचय :

सर्व शिक्षा अभियान विभिन्न प्रयासों के माध्यम से राज्य में प्राथमिक शिक्षा के अन्तर्गत बच्चों (बालक व बालिका) के नामांकन व ठहराव तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सर्व शिक्षा अभियान के इन्ही प्रयासों के अनुक्रम में एक प्रयास है ''गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम'' (ABL-Activity Based Learning) गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम एक गतिविधि आधारित शिक्षण प्रक्रिया है जिसमें गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का सीखना सुनिश्चित किया जाता है। सीखने–सिखाने की इस प्रक्रिया में प्रत्येक बच्चे को केन्द्र मानकर शिक्षण कार्य किया जाता है। यह मान्यता कि प्रत्येक बच्चा महत्त्वपूर्ण है, प्रत्येक बच्चे की सीखने की अपनी गति होती है और सीखने की गति स्वतन्त्रता प्रत्येक बच्चे की जरूरत है, इस प्रक्रिया का मुख्य आधार है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 तथा 'निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम–2009' शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन की पहल करते हैं साथ ही विद्यालय में बच्चों के सीखने को स्थायी बनाने, सीखने में आ रही चुनौतियों को समझने एवं उनका समाधान करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाते हैं। सीखना गतिविधि आधारित, आनन्ददायी, रूचिकर एवं बाल उपयोगी हो। सीखने की प्रक्रिया में प्रत्येक बच्चा महत्त्वपूर्ण है। बच्चे को अपनी गति, रूचि एवं स्तर के अनुसार स्वयं करके सीखने के अवसर उपलब्ध हों, इस हेतु राजस्थान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिष्चित करने के उद्देश्य से वर्ष 2016–17 में सर्व शिक्षा अभियान के द्वारा उत्कृष्ट विद्यालयों की कक्षा 1 व 2 के लिए गतिविधि आधारित अधिगम (ABL) कार्यक्रम का विकास किया गया।

प्रथम चरण के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 में नामांकन के आधार पर चयनित 2853 उत्कृष्ट विद्यालयों को गतिविधि कक्ष विकास एवं गतिविधि आधारित अधिगम (ABL) किट उपलब्ध करवाई गई थी। द्वितीय चरण में वर्ष 2017–18 में विस्तार करते हुए 8118 (शेष रहे समस्त 6778 उत्कृष्ट व प्रथम फेज के 1340 आदर्श) विद्यालयों की कक्षा 1 व 2 में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एबीएल कक्ष के साथ प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा किट की समीक्षा उपरान्त विषयवार सुझावों

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 9 July 2020

को समाहित करते हुए सुवर्द्धित गतिविधि आधारित अधिगम (ABL) किट उपलब्ध करवाई गई है। इसके अन्तर्गत कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में बाल केन्द्रित शिक्षा शास्त्र के अनुसार गतिविधि आधारित अधिगम करवाते हुए सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाना है, जिससे बच्चे अपनी गति, रूचि और स्तर के अनुसार ज्ञान का निर्माण कर सकें।

गतिविधि आधारित अधिगम (ABL) कार्यक्रम की आवयकता :

1. कक्षा 1 व 2 के बच्चों पर विशेष ध्यान देकर प्रारंभिक शिक्षा की नींव को मजबूत करने की आवश्यकता है।
2. सीखने–सिखाने की प्रक्रिया बाल केन्द्रित एवं आनन्ददायी बनाने की आवष्यकता है।
3. बच्चों के साथ उनकी गति एवं उनके स्तरानुसार काम करने की आवष्यकता है।
4. बच्चे शिक्षाक्रम के अनुसार क्षमताएँ अर्जित कर पाए।
5. विद्यालयों में बच्चों का जुड़ाव बढ़े, उनका नामांकन एवं ठहराव सुनिश्चित हो।

गतिविधि आधारित अधिगम (ABL) कार्यक्रम के उद्देश्य :

1. प्राथमिक शिक्षा की नींव को मजबूत करना।
2. बाल केन्द्रित शिक्षण (CPP) सुनिश्चित करना।
3. शिक्षण को सहज, सरल, आनन्ददायी एवं रूचिकर बनाना।
4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रक्रिया को सुनिश्चित करना।
5. कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया को गतिविधि आधारित बनाना।
6. कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में बच्चों का ठहराव सुनिश्चित करना।
7. बच्चों को कार्य करके सीखने के पर्याप्त अवसरों की उपलब्धता।
8. बच्चों में सीखने के प्रति पूर्णता की भावना को प्रोत्साहित करना।

शोध अध्ययन का महत्त्व :

किसी भी समस्या पर शोध कार्य करने से पूर्व यह देखना आवश्यक है कि विभिन्न दृष्टिकोणों से उस अध्ययन का मानव समाज को क्या लाभ होगा। किसी भी महत्त्वहीन विषय पर काम कर अपना समय व धन खर्च करके जोखिम उठाना कोई महत्त्व नहीं रखता। आज उदारवाद एवं वैश्वीकरण के इस दौर में जब यह महसूस किया जा रहा है कि पूरा विश्व एक समुदाय बनता जा रहा है तब शिक्षा व्यवस्था भी स्वयं को इस दौर से अलग नहीं रख सकती। इसलिए शिक्षा के नये वैश्विक प्रतिमान स्थापित किये जा रहे है। भारतीय शिक्षा व्यवस्था विश्व की प्राचीनतम शिक्षा व्यवस्थाओं में एक है। स्वतन्त्रता के बाद भारत सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने व नव आकांक्षित समाज को बुलन्दियों तक पहुँचाने के लिए अनेक प्रयास किये। इसके तहत विभिन्न प्रकार के शिक्षा कार्यक्रमों

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 9 July 2020

की घोषणाएँ की गई। हर स्थिति में प्रयास किया गया कि शिक्षा का प्रकाश केवल बड़े–बड़े शहरों तक सीमित न रहे बल्कि यह दूर दराज के गाँवो तक भी पहुँचे। हालांकि देश को आजाद हुए 70 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है। यह ऐसा समय है जब हम यह देखें की हमारे शिक्षाविदों द्वारा सोची गई रणनीति एवं कार्यप्रणाली कहाँ तक सार्थक साबित हुई है।

प्रस्तुत शोध के माध्यम से, सरकार द्वारा शिक्षा (प्रारम्भिक शिक्षा) के क्षेत्र में चलाई जाने वाली योजनाओं में से एक योजना ''गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम'' के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति जानने का प्रयास किया गया है।

समस्या कथन :

''जनसांख्यिकीय चरों के संबंध में गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन''

अध्ययन के उद्देश्य :

★ हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के ग्रामीण प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के ग्रामीण पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 9 July 2020

★ हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले के ग्रामीण पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 9 July 2020

★ हनुमानगढ़ जिले के ग्रामीण पुरूष प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

★ हनुमानगढ़ जिले के ग्रामीण पुरूष प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएं :

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्ता ने अध्ययन हेतु परिकल्पनाओं का निर्माण किया है जो इस प्रकार है–

1. हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के ग्रामीण प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
5. हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
6. हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के ग्रामीण पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
7. हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
8. हनुमानगढ़ जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 9 July 2020

9. हनुमानगढ़ जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
10. हनुमानगढ़ जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
11. हनुमानगढ़ जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले के ग्रामीण पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
12. हनुमानगढ़ जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
13. हनुमानगढ़ जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले के शहरी पुरूष प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
14. हनुमानगढ़ जिले के ग्रामीण पुरूष प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले की शहरी महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
15. हनुमानगढ़ जिले के ग्रामीण पुरूष प्राथमिक शिक्षकों एवं श्रीगंगानगर जिले की ग्रामीण महिला प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन विधि :

लिखित परीक्षण को जाँच हेतु लिये जाने के लिए शोधकर्त्ता द्वारा सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

न्यादर्श :

इस अध्ययन हेतु यादृच्छिक न्यादर्श के रूप में हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिले के 800 प्राथमिक शिक्षकों को चुना गया है।

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 9 July 2020

जिला	कुल शिक्षक	शहरी शिक्षक	ग्रामीण शिक्षक	शहरी पुरूष	शहरी महिला	ग्रामीण पुरूष	ग्रामीण महिला
हनुमानगढ़	400	200	200	100	100	100	100
श्री गंगानगर	400	200	200	100	100	100	100

उपकरण :

शोधकर्त्ता की महत्ता उपकरण पर निर्भर करती है क्योंकि उनकी उपयुक्तता, वैधता, विश्वसनीयता पर ही प्रदत्तों की वैधता व विश्वसनीयता निर्भर करती है। अतः इस शोधकार्य में शोधकर्त्ता द्वारा निर्मित उपकरणों का प्रयोग किया गया है। ये उपकरण शिक्षकों के लिए है।

❖ शिक्षक अभिवृत्ति मापनी

(गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के सम्बन्ध में)

सांख्यिकीय प्रविधियाँ :

इस अध्ययन में निम्नलिखित सांख्यिकी का उपयोग किया गया है।

✧ मध्यमान

✧ मानक विचलन

✧ 'टी' परीक्षण

शोध अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष :

गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति प्राथमिक शिक्षकों की अभिवृत्ति की तुलना हेतु 15 परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया। परिकल्पनाओं का वर्गीकरण एवं विश्लेषण व सार्थकता की जाँच की गयी परिणाम में पाया गया कि गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के सम्बन्ध में सभी शिक्षक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं। हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिले के प्राथमिक शिक्षकों की गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम, (2017), राजस्थान प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, जयपुर
2. गतिविधि आधारित अधिगम कार्यक्रम, (2018), राजस्थान प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, जयपुर

Copyright @ 2020 Authors

ISSN: 2278-4632
Vol-10 Issue-7 No. 9 July 2020

3. अस्थाना, डॉ. बिपिन, (1999), मनोविज्ञान एवं शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
4. वर्मा, डॉ. जी.एस. (2004), शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबन्ध, इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
5. बैस, डॉ.नरेन्द्र सिंह और दत्ता, संजय, (2005), अधिगम का मनो–सामाजिक एवं शिक्षण, जैन प्रकाशन मन्दिर, जयपुर
6. वर्मा, डॉ. जी.एस. (2007), शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार एवं प्रबन्ध, इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
7. आधुनिक भारतीय शिक्षा, जुलाई–अक्टूवर 2016, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली
8. परिपेक्ष्य पत्रिका, दिसम्बर 2015, शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा)

Copyright @ 2020 Authors